पहले रिटेल में एफडीआई विरोधी थी कांग्रेस
P-11
भाजपा नेता यशवंत सिन्हा ने कहा 10 साल पहले कांग्रेस के लिए रिटेल सेक्टर में एफडीआई राष्ट्र विरोधी कदम था

सोना 28,150
चांदी 53,800

राष्ट्रीय सहारा
www.rashtriyasahara.com
सच बताने की हिम्मत
राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण

नई दिल्ली • गोरखपुर • पटना • कानपुर • देहरादून • वाराणसी से प्रकाशित
बुधवार, लखनऊ, 18 जनवरी 2012

हवा से संचालित मोबाइक तकनीक पर शोध हो

लखनऊ (एसएनबी)। स्कूल आफ मैनेजमेण्ट साइंसेज टेक्निकल कैम्पस, लखनऊ के अपर निदेशक डा. भरत राज सिंह ने मंगलवार को राज्यपाल बी.एल. जोशी को लैम्बर्ड एके डमिक पब्लिशिंग, यूके व यूएसए में प्रकाशित हवा से संचालित मोटरबाइक इंजन डिजाइन से संबंधित किताब भेंट की।

- डा. भरत राज सिंह ने राज्यपाल को भेंट की हवा से संचालित मोटरबाइक इंजन की किताब
- यूके व यूएसए में प्रकाशित हुई किताब

इस दौरान राज्यपाल ने सुझाव दिया कि भारत के इंडस्ट्रियलिस्ट से संपर्क कर इसका व्यवसायिक उपयोग किया जाए। साथ ही विश्व में इस प्रकार के शोध को बढ़ावा देने के लिए शोधकर्ताओं के बीच हवा से संचालित मोटर बाइक इंजन की तकनीकी के ज्ञान को फैलाया जाए, जिससे ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या से मानव को राहत मिल सके।

डा. भरत राज ने इंजन की डिजाइन की जानकारी देते हुए बताया कि आवागमन के वाहनों में हाइड्रोकार्बन (पेट्रोलियम) ईंधन का अत्यधिक उपयोग हो रहा है, जिसके विसर्जन से वायुमण्डल में प्रदूषण की गंभीर समस्या बन गयी है। इसके साथ ही विश्व में हाइड्रोकार्बन ईंधन की मात्रा में भारी कमी हो रही है। वायुमण्डल प्रदूषण युक्त समस्याओं के समाधान के लिए कम्प्रेशर हवा को ईंधन के रूप में प्रयोग करने से इसमें कमी आ सकती है। विश्व में वाहनों के उपयोग से वर्तमान में लगभग 77.8 फीसद प्रदूषण उत्पन्न हो रहा है।

राज्यपाल को हवा से संचालित मोटरबाइक इंजन की किताब भेंट करते डा. भरत राज सिंह। फोटो : एसएनबी

विकासशील देशोंमें भारत, चीन, बुल्गारिया, थाईलैण्ड आदि में हल्के व दो पहिया वाहनों का 80 फीसद से अधिक उपयोग ही प्रदूषण का प्रमुख कारण है। प्रस्तावित तकनीक से वर्तमान वायुमण्डल प्रदूषण में 50 से 60 फीसद की कमी की जा सकती है। इस तकनीक को मोटरसाइकिल पर लगे पेट्रोल टैंक को हटाकर कम्प्रेश्ड हवा का सिलिन्डर लगाने व कम्प्रेश्ड हवा से संचालित इंजन को लगाने से ज्वलनशील पदार्थ से छुटकारा पाया जा सकता है।

मोटरसाइकिल पर लगे सिलिन्डर में 20 गुना (300 पौण्ड) दबाव की हवा भरने से एअर-इंजन द्वारा एक बार में 30 से 40 किमी. दूरी तय की जा सकती है। इसके बाद सिलिन्डर को पुनः भराना होगा। इसके लिए जगह-जगह टायर में हवा भरने वाली मशीन का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभी लम्बी दूरी तय करने वाले सिलिण्डर क्षमता का विकास होना बाकी है। विद्युत चलित कम्प्रेशर से पांच रुपए की सिलिण्डर में भरी हुई हवा से चालीस किमी. की दूरी तय की जा सकती है। इससे घरेलू उपकरण जैसे सीलिंग फैन, मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि भी चलाए जा सकते हैं। हवा से चलने वाले इंजन की तकनीकी का पेटेंट भारत सरकार के तकनीक विभाग में रजिस्टर्ड कराया जा चुका है।

इस अवसर पर एचबीटीआई, कानपुर के प्रोफेसर डा. ओंकार सिंह, एसएमएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह, निदेशक मैनेजमेण्ट डा. मनोज मेहरोत्रा, उत्तर प्रदेश अवार्ड सोसाइटी के सचिव सुभाष भल्ला आदि शामिल थे।